

बी.एच.सी.सी. - 124

**चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम
बी. ए. (गृह विज्ञान)**

सत्रीय कार्य (ASSIGNMENT)

जुलाई 2026 – जनवरी 2027 सत्रों के लिए

**पाठ्यक्रम कोड: बी. एच. सी. सी. -124
संचार एवं प्रसार शिक्षा के आधारभूत तत्व**



**सतत शिक्षा विद्यापीठ
इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
नई दिल्ली**

बी. एच. सी. सी. -124: संचार एवं प्रसार शिक्षा के आधारभूत तत्व
शिक्षक-चिह्नित सत्रीय कार्य
जुलाई 2026 – जनवरी 2027 सत्रों के लिए

प्रिय विद्यार्थी,

कार्यक्रम मार्गदर्शिका में समझाया गया है कि IGNOU में मूल्यांकन दो भागों में होता है:

- i) सत्रीय कार्य के माध्यम से सतत मूल्यांकन
- ii) सत्रांत परीक्षा।

अंतिम परिणाम में, सत्रीय कार्य का 30% अंक (weightage) होता है और सत्रांत परीक्षा का 70% अंक (weightage) होता है। यह सत्रीय कार्य पुस्तिका मुख्य पाठ्यक्रम **BHCC-124 'संचार एवं प्रसार शिक्षा के आधारभूत तत्व'** पाठ्यक्रम हेतु है, जो चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (FYUP) के बी. ए. (गृह विज्ञान) द्वितीय वर्ष के कार्यक्रम का भाग है।

सत्रीय कार्य करने से पहले कार्यक्रम मार्गदर्शिका में दिए गए निर्देश अवश्य पढ़ें। यह आवश्यक है कि उत्तर अपने शब्दों में लिखें। उत्तर निर्धारित शब्द सीमा के आसपास होने चाहिए। इससे आपके लेखन कौशल और विषय की समझ दोनों ही विकसित होंगी। इससे आप सत्रांत परीक्षा के लिए भी तैयार हो जाएंगे।

**** सत्रीय कार्य जमा करने के निर्देश: ****

- सत्रीय कार्य नियत समय सीमा में जमा करें ताकि आप सत्रांत परीक्षा के लिए पात्र हो सकें।
- यह सत्रीय कार्य **जुलाई 2026** और **जनवरी 2027** सत्र के लिए मान्य है। जमा करने की अंतिम तिथियाँ इस प्रकार हैं:

सत्रीय कार्य	जमा करने की तिथि	जमा करने का स्थान
सत्रीय कार्य (TMA) जुलाई 2026 सत्रों के विद्यार्थियों के लिए	31 मार्च 2027	आपके अध्ययन/ क्षेत्रीय केंद्र के समन्वयक को
सत्रीय कार्य (TMA) जनवरी 2027 सत्रों के विद्यार्थियों के लिए	30 सितंबर 2027	आपके अध्ययन/ क्षेत्रीय केंद्र के समन्वयक को

- आपको जमा किए गए सत्रीय कार्य की रसीद अध्ययन केंद्र से प्राप्त करनी होगी और उसे संभाल कर रखना होगा। यदि संभव हो, तो सत्रीय कार्य की एक फोटोकॉपी अपने पास रखें।
- अन्य सभी सत्रीय कार्य की तरह, इसे भी आपके अध्ययन केंद्र के समन्वयक को जमा करना होगा। आपका क्षेत्रीय केंद्र आपको अपनी वेबसाइट पर यह सत्रीय कार्य ऑनलाइन जमा करने की अनुमति दे सकता है। कृपया अपने क्षेत्रीय केंद्र की वेबसाइट पर जाकर देखें कि ऑनलाइन जमा करने की सुविधा उपलब्ध है या नहीं।
- अध्ययन केंद्र मूल्यांकन के बाद सत्रीय कार्य आपको लौटाएगा और अंक विश्वविद्यालय को भेजेगा। कृपया सुनिश्चित करें कि आपको मूल्यांकित सत्रीय कार्य वापस मिले।

हम आपसे अपेक्षा करते हैं कि आप प्रत्येक प्रश्न का उत्तर सत्रीय कार्य में उल्लिखित प्रत्येक श्रेणी के दिशानिर्देशों के अनुसार देंगे। आपके लिए निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना उपयोगी होगा:

योजना: प्रश्नों को ध्यान से पढ़ें और प्रमुख बिंदुओं को व्यवस्थित करें।

संगठन: उत्तर की रूपरेखा तैयार करने से पहले थोड़ा चयनात्मक और विश्लेषणात्मक बनें। अपने परिचय और निष्कर्ष पर पर्याप्त ध्यान दें।

सुनिश्चित करें कि आपका उत्तर:

क) तार्किक और सुसंगत हो;

ख) वाक्यों और अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध हो, और

ग) आपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति पर पर्याप्त ध्यान देते हुए सही ढंग से लिखा गया हो।

प्रस्तुति: उत्तर साफ-सुथरा, बिंदुवार और शब्द सीमा के भीतर होना चाहिए।

शुभकामनाओं सहित,

पाठ्यक्रम समन्वयक

BHCC-124: संचार एवं प्रसार शिक्षा के आधारभूत तत्व'

शिक्षक- चिह्नित सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड: BHCC-124/AST/TMA/2026-27

जुलाई 2026 – जनवरी 2027

अधिकतम अंक: 100

नोट: किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें।

सत्रीय कार्य दो खंडों 'अ' और 'ब' में विभाजित है। आपको प्रत्येक खंड से कम से कम दो प्रश्न लगभग 600 शब्दों में हल करने होंगे। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खंड – अ

1. संचार का अर्थ एवं उद्देश्यों को स्पष्ट कीजिए। उपयुक्त दैनिक जीवन संबंधित उदाहरणों के साथ गृह विज्ञान प्रसार शिक्षा में इसकी भूमिका पर चर्चा कीजिए। 20
2. संचार के प्रमुख तत्वों एवं सिद्धांतों का वर्णन कीजिए। चर्चा कीजिए कि उपयुक्त संचार मॉडल प्रसार कार्यकर्ताओं को संचार को अधिक प्रभावी बनाने में किस प्रकार सहायता कर सकते हैं। 20
3. प्रसार संचार में सुनने, प्रत्यक्षण तथा अनुनय के महत्त्व पर चर्चा कीजिए। किसी व्यावहारिक प्रसार-संबंधी उदाहरण के साथ स्पष्ट कीजिए। 20
4. डिजिटल एवं नवीन मीडिया संचार पर चर्चा कीजिए। गृह विज्ञान अथवा सामुदायिक विकास की परिस्थितियों के लिए संचार माध्यम का चयन करते समय किन कारकों को ध्यान में रखना चाहिए, समझाइए। 20
5. प्रसार शिक्षा को परिभाषित कीजिए। प्रसार शिक्षा के सिद्धांतों एवं प्रक्रिया पर चर्चा कीजिए। 20
6. प्रसार के सामुदाय -आधारित मॉडल, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण मॉडल तथा सहभागी मॉडल की व्याख्या कीजिए। चर्चा कीजिए कि उपयुक्त प्रसार मॉडल का चयन सामुदायिक सहभागिता एवं विकास के परिणामों को किस प्रकार प्रभावित कर सकता है। 20
7. प्रसार सेवाओं के सिद्धांत क्या हैं? महिला सशक्तिकरण एवं समावेशी सामुदायिक विकास में प्रसार सेवाओं की भूमिका पर चर्चा कीजिए। 20
8. सामाजिक परिवर्तन की अवधारणा एवं प्रकृति के बारे में लिखिए। उपयुक्त उदाहरणों के साथ सामाजिक परिवर्तन के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा कीजिए। 20

खंड – ब

9. सतत् विकास से आप क्या समझते हैं? सतत् विकास लक्ष्यों (SDGs) को प्राप्त करने में भारत के सामने आने वाली प्रमुख चुनौतियों पर चर्चा कीजिए। 20
10. नियोजित सामाजिक परिवर्तन में प्रसार एवं संचार की भूमिका पर चर्चा कीजिए। नियोजित सामाजिक परिवर्तन में परिवर्तन अभिकर्ताओं (Change Agents) की भूमिका समझाइए। 20
11. पश्चिमी एवं भारतीय संचार सिद्धांतों में अंतर स्पष्ट कीजिए। दैनिक जीवन, मीडिया के प्रयोग तथा विकास संचार में इन सिद्धांतों के अनुप्रयोग का वर्णन कीजिए। 20
12. संचार, प्रसार एवं विकास के बीच संबंध को स्पष्ट कीजिए। संक्षेप में समझाइए कि संचार किस प्रकार प्रसार कार्य को सहयोग प्रदान करता है और विकास में योगदान देता है, जबकि विकास प्रसार गतिविधियों के लिए व्यापक संदर्भ एवं लक्ष्य प्रदान करता है। 20
13. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए: 10+10=
- (i) सतत् जीवन-शैली में गृह विज्ञान की भूमिका 20
- (ii) सतत् विकास में युवाओं की भूमिका
14. संचार प्रक्रिया में संचार मॉडल के महत्त्व को समझाइए। उदाहरण सहित अरस्तू के संचार मॉडल का वर्णन कीजिए। 20
15. प्रभावी संचार को परिभाषित कीजिए तथा प्रभावी संचार में आने वाली प्रमुख बाधाओं की व्याख्या कीजिए। 20
16. सामाजिक परिवर्तन के संदर्भ में कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी (ATMA) से संबंधित दो केस स्टडी पर चर्चा कीजिए। 20